

अग्नि दुर्घटना

ऊँचे मकानों में लगी आग :-

- बिना डरे शांति से मकान के बाहर निकल जाएं, घर का दरवाजा बंद कर दें ।
- बाहर निकलते समय अगर कोई अलार्म हो तो दबाएं या फिर सभी लोगों को चिल्लाकर चेतावनी दें ।
- मकान के बाहर सीढ़ियाँ से ही निकलें ।
- अग्नि दुर्घटना के दौरान कभी भी लिफ्ट का प्रयोग नहीं करें ।
- अगर निकास आग या धुआँ के कारण अवरुद्ध हो तो दरवाजा बंद रहने दें परताला न लगाए ।
- गीले तौलिए को दरवाजे के नीचे लगाएँ ताकि धुआँ बाहर ही रहे ।
- दमकल विभाग में फोन करें और उन्हें अपना पूरा पता बताए । उन्हें अपनी स्थिति से अवगत कराएँ । दमकल विभाग जैसा जैसा करने को कहें वैसा ही करें ।
- शांत रहें और आग बुझाने वाले दल की प्रतीक्षा करें ।

अगर मकान का फायर अलार्म काम न करें

- दरवाजा खोलने के पहले उसे छूकर देखे अगर वो गर्म हो तो दरवाजा ना खोलें ।
- अगर दरवाजा ठंडा हो तो जरा सा खोल कर देखें कि गलियारे में आग है या नहीं । आग हो तो ना बढे ।
- अगर गलियारे में आग ना हो तो दरवाजा बंद कर के बाहर निकलें । पर याद रखें सीढ़ियाँ से उतरें, कभी भी लिफ्ट का इस्तेमाल ना करें। हानिकारक हो सकता है ।

अगर मकान के अंदर आग लगी हो

- जमीन के नजदीक रहें ताकि धुआँ ज्यादा प्रभावित ना करें ।

- दमकल विभाग का नंबर, पुलिस, व अन्य आपातकालिन सेवा सभी का नंबर टेलीफोन के पास चिपका कर रखें ताकी दुर्घटना के समय तुरंत फोन कर सकें तथा उन्हें अपनी स्थिति से अवगत करा सकें ।
- अगर आपके घर में बाल्कनी है और उसके नीचे कोई आग नहीं लगी हो तो बाहर चले जाएं ।
- अगर नीचे आग लगी हो तो खिड़की के करीब रहें पर उसे खोले नहीं ।
- अगर नीचे आग नहीं लगी हो तो खिड़की खोले दें तथा उसके करीब रहें ।
- खिड़की के बाहर कोई चादर या तौलिया लटका दें ताकि बाहर लोगों को पता चल सके कि आप वहाँ है और आपको मदद चाहिए ।
- शांत रहें और आग बुझाने वाले दल का इंतजार करें ।

रसोई में लगी आग :

यह बहुत जरूरी है कि आपको पता हो कि आप किस तरह का चूल्हा इस्तेमाल कर रहे हैं - गैस, हीटर, स्टोव या मिट्टी का ।

स्टोव से सबसे ज्यादा आग लगने की संभावना होती है । ज्यादातर गाँवों में लकड़ी/कोयला का चूल्हा या स्टोव प्रयोग में आता है और वहाँ लगी आग पूरे घर को जला देती है क्योंकि छप्पर फूस का बना होता है और पुआल वैगरह रसोई में ही रखा होता है । बिजली या गैस के चूल्हों में जैसे ही खाना बनाना खत्म हो तुरंत स्विच बंद कर दें ।

बिजली से चलने वाले चूल्हे बंद करने के बाद भी कुछ देर तक गर्म रहते हैं, जब तक कि वो ठंडा ना हो जाए, सर्तक रहें ।

मिट्टी के चूल्हे जिसमें लकड़ी कोयले या गुबरैले /गोइठे का जलावन की तरह इस्तेमाल होता है, काफी खतरनाक हो सकता है क्योंकि खाना बनाने के बाद भी अंगारे रह जाते हैं ।

जलावन को जलाते समय चूल्हें को उपर से ढक दें ताकि चिंगारी उड़ कर छप्पर या पास

रखें पुआल तक ना पहुँच सके | खाना बनाने के बाद ध्यान रखें कि आग पूरी तरह बुझ जाए | अंगार पर पानी डाल दें | पानी अवश्य डालें अगर खाना बनाने के बाद घर में कोई बड़ा ना रहता हो | चूल्हे के पास कोई जल सकने वाली सामग्री ना रखें जैसे - किरासन तेल, फूस आदि |

सावधानियाँ :- क्या करें

- जब खाना बन रहा हो कोई वयस्क जरूर हो, बच्चों को अकेला ना छोड़ें |
- खाना बनाने समय अपने बालों को बाँध कर रखें और सिन्थेटिक कपड़े ना पहनें |
- ध्यान रखें कि चूल्हें के पास की खिड़की में लगे पर्दे पीछे की तरफ कस कर बंधे हों, पर्दा ना उड़े |
- ध्यान रखें कि खाना पकाना खत्म होने के तुरंत बाद ही स्विच बंद कर दें |
- ध्यान रखें कि फर्श हमेशा सूखी रहे | अन्यथा आग लगने के समय आप गीले फर्श के कारण गिर सकते हैं |
- बच्चों की पहुँच से माचिस को दूर रखें |

सावधानियाँ - क्या न करें:-

- तौलिये या बर्तन साफ करने वाले कपड़ों को स्टोव के आस- पास ना रखें |
- खाना बनाने समय ढीले-ढाले कपड़े ना पहने और जब गैस जल रही हो गैस के ऊपर रखे सामान को ना उतारें |
- स्टोव या गैस के ऊपर तख्ता शेल्फ पर कोई समाना ना रखें | बेहतर होगा चूल्हे के ऊपर कोई तख्ता ही न लगाएँ | वरना छोटे बच्चे समान लेते वक्त गैस पर गिर सकते हैं और आग लग सकती है |
- स्प्रे कैन या ज्वलनशील सामग्री वाला डिब्बा स्टोव के पास कतई ना रखें |
- बच्चों को खुले ओवन के पास न जाने दें |
- स्टोव के ऊपर ना झुकें |
- तौलिए या कपड़े का इस्तेमाल सावधानिपूर्वक से गर्म बर्तन उतारने के लिए करें |

- बिजली के एक ही पॉइंट पर कई स्विच या एक्सटेंशन न लगाए | तार पर अधिक भार पड़ने के कारण आग लग सकती है |
- तैलीय पदार्थ से लगी आग पर पानी ना डालें सिर्फ बेकिंग सोडा, नमक डालें या उसे ढक दें | हमेशा बेकिंग सोडा का डब्बा स्टोव के पास रखें |
- रेडियो, मिक्सी, आदि बिजली से चलने वाले वस्तुओ को बेसिन के पास ना रखें |

सुझाव :-

- दमकल विभाग का नंबर फोन के पास रखे और ध्यान रखें कि घर के सभी सदस्यों को नंबर का पता हों |
- माचिस या लाइटर बच्चों से दूर रखें |
- अपने कमरे का दरबाजा बंद कर के सोए ताकि आग फैलना धीमा किया जा सके |
- अगर आपके कपड़ों में आग लगी हो तो कभी भी ना दौड़े | रुकें-नीचे लेट जाएँ | जमीन पर रोल कर बुझाने की कोशिश करें |